बुजुर्गों के लिए...

मूल्य - 5 रुपये | वर्ष 2, अंक 5, पृ.सं. 20 | संपादक :- कल्पना गोयल

आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार -

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक

दिसम्बर, 2013

बुजुर्गों के लिए...

नववर्ष में नया संकल्प – तारा नेत्रालय, दिल्ली के माध्यम से

तारा नेत्रालय के माध्यम से गत 14 माह में 265 शिविर आयोजित किए इन शिविरों में 1,19,866 रोगी आए जिन्हें दवाइयाँ, नजदीक के चश्मे दिए और मोतियाबिन्द के रोगियों को तारा नेत्रालय, दिल्ली ले जाकर ऑपरेशन किया गया। वर्ष 2014 के लिए तारा संस्थान द्वारा दिल्ली – एनसीआर में कुछ स्थान तय किये हैं जहाँ प्रत्येक माह एक तय दिन शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर आयोजित करने से उस क्षेत्र के रोगियों को सुविधा हो जाएगी और वे अपनी सुविधानुसार किसी भी माह में अपनी आँखों की जाँच करा सकते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि दिल्ली के दानदाता हमें इन शिविरों को आयोजित करने में पूर्ण सहयोग करेंगे।

शिविर स्थल	शिविर की दिनांक / वार
वी. आर. बॉक्स मेकर्स, 9/5911, सुभाष मोहल्ला न. 02, गोरी शंकर मंदिर के पास, गाँधीनगर, दिल्ली	प्रत्येक माह का प्रथम सोमवार
जैन स्थानक, ऋषभ विहार, दिल्ली – 92	प्रत्येक माह का द्वितीय सोमवार
पेपर मरचेन्ट एसोसियन (रजि.), कागज भवन, 132, गली बाटासन, चावड़ी बाजार, दिल्ली – 06	प्रत्येक माह का तृतीय सोमवार
श्रीमती कस्तुरी देवी जैन धर्माथ औषधालय, 43 भोगल रोड, जगपुरा, दिल्ली– 14	प्रत्येक माह का चतुर्थ सोमवार
अस्थवक रिहेबिलेशन सेन्टर, मधुबन चौक, रोहिणी कोर्ट के पीछे, सिंडीकेट बैंक के पास, रोहिणी, दिल्ली	प्रत्येक माह का प्रथम गुरुवार
WE–169, रामा पार्क रोड, मोहन गार्डन, सत्या एसोसिएट, दिल्ली	प्रत्येक माह का द्वितीय गुरुवार
जस्टिस गोपाल सिंह चेरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पीटल, 22–ए, मियावाली कॉलोनी, गुड़गाँव, हरियाणा	प्रत्येक माह का तृतीय गुरुवार
आशा कूनवेन्ट हाई स्कूल, संजय कॉलोनी, सेक्टर 23 एन.आई.टी. फरीदाबाद, हरियाणा	प्रत्येक माह का प्रथम रविवार
दिगम्बर जैन मंदिर, अतिशय महावीर वाटिका, 3–एफ (नियर वाटर टैंक), वैशाली, गाजियाबाद (यू.पी.) 201010	प्रत्येक माह का चतुर्थ रविवार

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
नववर्ष में नया संकल्प	*02*
अनुक्रमणिका	*03*
बच्चे बिगड़ैल क्यों बनते हैं?	*04*
हमारे मुख्य संरक्षक	*05*
गौरी योजना	*06*
तृप्ति योजना	*07*
आनन्द वृद्धाश्रम	*08*
मोतियाबिन्द जाँच शिविर, दानदाताओं का सम्मान, शिविर सौजन्य	*09-14*
Tara Contacts	*15*
We are gratuful to Camp	*16*
Our life members	*17*
How to make donors	*18*
रास्ता बनाने वाला	*19*

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, दिसम्बर, 2013

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

बच्चे बिगड़ैल क्यों बनते हैं?

- उसे बताइए कि हर चीज़ की एक कीमत होती है। लिहाजा एक दिन वह अपनी ईमानदारी को बेच देगा।
- उसे किसी भी बात पर दृढ़ न रहने की शिक्षा दीजिए। लिहाजा वह हर चीज़ पर फिसलेगा।
- उसे सिखाइए कि जिन्दगी में कामयाबी ही सब कुछ है, लिहाजा वह हर तिकड़म करके कामयाब होने की कोशिश करेगा।
- उसे बचपन से ही वह सब कुछ दीजिए, जिसकी उसे चाहत है, लिहाजा वह इस सोच के साथ बड़ा होगा कि उसकी जिन्दगी की जरूरतें पूरी करना दुनिया की जिम्मेदारी है और उसके सामने हर चीज़ तश्तरी में परोस कर पेश कर दी जाएगी।
- जब वह गंदे लफ्जों का इस्तेमाल करे, तो उस पर हँसिए। उससे वह खुद को चतुर समझने लगेगा।
- उसे नैतिकता सिखाने के बजाए, उसके 21 साल का होने का इंतजार कीजिए, ताकि वह अपने बारे में खुद फैसला कर सके।
- उसे सही दिशा का ज्ञान कराए बिना चुनाव करने की आजादी दीजिए। उसे यह कभी न सिखाइए कि हर चुनाव का एक नतीजा भी होता है।
- उसे उसकी गलतियों के बारे में यह सोचकर कभी कुछ न बताइए कि इससे उसके मन में कुंठा पैदा हो जाएगी। लिहाजा कोई गलत काम करते हुए पकड़े जाने पर वह यह मानेगा कि समाज उसके खिलाफ है।
- उसके आसपास बिखरी हुई हर चीज़, जैसे कि किताबें, जूते, कपड़े वगैरह खुद उठाइए। उसका हर काम खुद कीजिए। नतीजा यह होगा कि उसे अपनी सारी जिम्मेदारियाँ दूसरों के कंधों पर डालने की आदत हो जाएगी।
- वह जो भी चीजें देखना–सुनना चाहे, उसे देखने और सुनने की आजादी दीजिए। उसके शरीर में जाने वाली खुशबू पर तो ध्यान दीजिए, पर उसके मस्तिष्क में कूड़ा जाने दीजिए।
- दोस्तों के बीच लोकप्रिय होने के लिए उसे कुछ भी करने दीजिए।
- उसकी मौजूदगी में अकसर झगड़िए। लिहाजा घर के टूटने पर उसे कोई अचरज नहीं होगा।
- वह जितना पैसा माँगे, उसे दीजिए। उसे पैसे की कीमत कभी न समझाइए। इस बात का पूरा ध्यान रखिए कि उसे वैसी दिक्कतों का सामना कभी न करना पड़े, जिनका सामना हमको करना पड़ा था।
- खाने, पीने और ऐशोआराम की सारी शारीरिक जरूरतों को यह सोच कर फौरन पूरा कीजिए कि चीजें न मिलने पर वह हताश होगा।
- पड़ोसियों और अध्यापकों के सामने यह सोच कर हमेशा उसका पक्ष लीजिए कि हमारे बच्चे के लिए उनके मन में मैल है।
- जब वह किसी असली मुसीबत में फँसे, तो यह कह कर हाथ झाड़, लीजिए, ''मैंने अपनी ओर से पूरी कोशिश की, पर उसके लिए कुछ कर न सका।''
- उसे यह सोच कर किसी बात पर मत टोकिए कि अनुशासन से आजादी छिन जाती है।
- उसे आजादी का पाठ पढ़ाने के लिए माँ–बाप की तरह सीधा नियंत्रण रखने के बजाए उस पर दूर से नियंत्रण रखिए।

(उपर्युक्त प्रस्तुत संकलित अंष मुझे बहुत रुचिकर लगा है। इस उम्मीद से, कि आप सब भी इसे पसन्द करेंगे)

आपके लिए सादर....

कल्पना गोयल

भार्गव दम्पत्ती नवविवाहित वर–वधूओं के साथ...

हमारे मुख्य संरक्षक

सेवा कार्यों की सबसे बड़ी निधि है ढेर सारे बेहतरीन व्यक्तियों से मिलना, उनका प्यार, स्नेह सहयोग और आशीर्वाद मिलना, जो बिना कुछ पाने की अपेक्षा में सिर्फ दिए चले जाते हैं.... चाहे वो दान के रूप में धन हो, ढेर सारा प्यार हो या अति महत्त्वपूर्ण समय हो.... उन्हें धन्यवाद दे तो बहुत ही विनम्रता से कह देते हैं कि ये तो हमारा सौभाग्य है.... इन्हीं में से एक परम श्रद्धेय श्री नगेन्द्र प्रकाश जी भार्गव सा. हैं जो कि तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक हैं।

आज से कुछ वर्ष पूर्व नारायण सेवा संस्थान में ''प्रवीण आर शाह अतिथि शाला'' का उद्घाटन था और उसी अवसर पर भोजन की टेबल पर एक महानुभाव ने बुलाया और कहा कि मैं एक साल तक प्रतिमाह कुछ विकलांग बच्चों के ऑपरेशन कराना चाहता हूँ और एक ऑपरेशन थियेटर ब्लॉक बनवाना चाहता हूँ जिसमें एक साथ 3 टेबल पर ऑपरेशन होवें ताकि ज्यादा से ज्यादा ऑपरेशन हो सके। उस पहली मुलाकात के बाद कई बार आदरणीय भार्गव सा. से दिल्ली में उनके ऑफिस में मिलना हुआ और जितनी बार उनसे मिले हर बार बहुत सारा प्यार पाया....

आदरणीय भार्गव सा जैसे करुणाशील व्यक्ति बहुत ही कम होते हैं। उन्होंने अपने दिवंगत पुत्र श्री शिखर भार्गव की स्मृति में एक कोष बनाया है और उनके माध्यम से बहुत से गरीब बच्चों को पढ़ाई करवाने में मदद की है। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली मे कई गरीब लड़कियों के विवाह करवाए। तारा संस्थान को भार्गव सा. की तरफ से कुछ वैसा ही सम्बल प्राप्त है जैसा कि बच्चों को माता पिता से होता है। उनकी तारा को लेकर एक चिंता थी कि कहीं नए कार्य में हम लड़खड़ा न जाए। उन्होंने हमसे एक बार यह भी पूछा था कि तुम्हारे साथ कितने लोग हैं उनकी Salary तो तुम दे पा रहे हो न.... इसमें कोई मदद चाहिए तो मैं भेजूं.... हमने विनम्रता से यही कहा था कि हम आपसे जरूर कहेंगे कोई भी आवश्यकता होगी तो। लेकिन, ये जो शब्द हैं कि 'कोई मदद चाहिए तो मुझसे कहना' बहुत ताकत देते हैं....

भार्गव सा. तारा के प्रारंभ होने के बाद से उदयपुर एक भी बार नहीं आ पाए हैं लेकिन तारा नेत्रालय, दिल्ली के उद्घाटन उनके कर कमलों द्वारा हुआ और तारा नेत्रालय, मुम्बई में भी अभी हाल ही वे पधारे हैं। उनके सौजन्य से अब तक कई शिविर हुए हैं जिनमें कासगंज (यू.पी.) में हुआ एक विशाल शिविर है जिसमें 160 ऑपरेशन हुए इस साल 9 व 10 फरवरी को भी कासगंज में शिविर प्रस्तावित है।

भार्गव सा. को अपना मुख्य संरक्षक बनाकर तारा परिवार गौरवांवित महसूस करता है।

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

बुजुर्गों के लिए...

गौरी योजना

तारा संस्थान की गौरी योजना में दानदाताओं से सहयोग प्राप्ति हेतु ऐसी असहाय निर्धन विधवा महिलाओं का विवरण दिया जा रहा है, जो गौरी योजना में सहायता के लिए अभ्यर्थी हैं। तारा संस्थान ने इन महिलाओं का प्राथमिकता के आधार पर चयन किया है। दानदाताओं से सौजन्य प्राप्त होते ही सहायता राशि पहुँचाना प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

श्रीमती गीता देवी :– श्रीमती गीता देवी की आयु 33 वर्ष है। इनके 2 पुत्रियाँ व 1 पुत्र है। इनके पति श्री सोहन सिंह गुर्जर, किवराली (आबू रोड) के निवासी हैं। 8 वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में ये घायल हो गए और शत–प्रतिशत विकलांगता हो गई। तब से ये बिस्तर पर ही हैं, चल – फिर नहीं सकते । पूरे परिवार का दायित्व श्रीमती गीता देवी पर ही है। इन्हें किसी तरह का कोई सहारा नहीं है। मानवीय आधार पर इन्हें सहायता की तुरन्त आवश्यकता है।

श्रीमती हेमलता :– आसपुरा (पाली) की निवासी हैं। इनके 2 पुत्रियाँ हैं। श्रीमती हेमलता की आयु 32 वर्ष है। इनके पति श्री उत्तम सिंह रावणा राजपूत का निधन 2011 में हो गया। पति की मृत्यु के पश्चात् ससुराल वालों ने इन्हें घर से निकाल दिया और ये सर्वथा असहाय हो गईं। पुत्रियों व स्वयं के भरण–पोषण का कोई सहारा नहीं है। मजदूरी करती हैं, पर भरण – पोषण योग्य आय नहीं होती। पड़ोसी के घर में टेलीविजन पर तारा का प्रसारण देख कर इन्होंने सहायता हेतु आवेदन किया है। दानदाता उपलब्ध होते ही इन्हें सहायता पहुँचाना प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

सुनीता देवी :– सोनीपत (हरियाणा) की रहने वाली हैं। इनकी आयु 33 वर्ष है और परिवार में 2 पुत्र, 2 पुत्रियाँ, वृद्ध सास और बीमार पति है। इनके पति ट्रक चालक थे, परन्तु गुर्दे खराब होने के कारण 5 वर्ष से बिस्तर पर ही पड़े हैं, चल फिर नहीं पाते। सुनीता देवी मजदूरी करके परिवार चला रही हैं। परन्तु कई बार आमदनी के अभाव में आधे पेट ही रहना पड़ता है। इनकी स्थिति कष्टमय है। इनकी परेशानी जानकर इनका चयन गौरी योजना में सहायता हेतु किया है और दानदाताओं से सौजन्य प्राप्त होते ही इन्हें सहायता पहुँचाना प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान–सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति योजना

बुजुर्गों के लिए...

तृप्ति योजना के लाभार्थी

सुन्दरी बाई – आयु 45 वर्ष, सवना, तहसील – वल्लभनगर, जिला – उदयपुर (राज.) की रहने वाली हैं। इनके पति का 2009 में निधन हो गया। 4 बेटियों की इनके ऊपर जिम्मेदारी है। एक पुत्र भी है। बच्चे अभी छोटे हैं और गुजर–बसर का कोई साधन नहीं। रोजगार गारंटी योजना में कुछ मजदूरी मिल जाती है, लेकिन परिवार चलाने के लिए पूरी नहीं होती। इनकी परिस्थितियों को जान कर इन्हें तृप्ति योजना में खाद्य सामग्री सहायता उपलब्ध करवाना प्रारम्भ किया गया है।

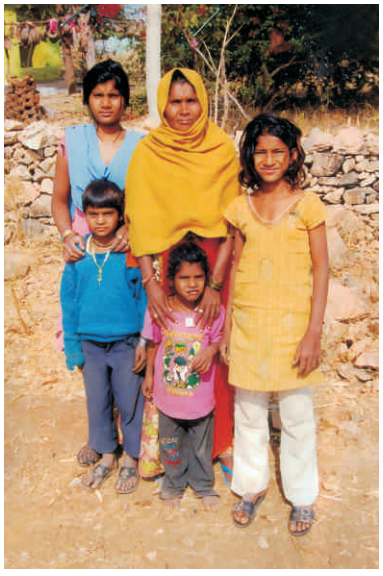

फतेह कुँवर की आयु लगभग 50 वर्ष है। इनके पति का निधन 15 वर्ष पूर्व हो गया। इनके तीन सन्तान हैं। एक पुत्री मानसिक मन्दताग्रस्त है। पुत्र अभी बहुत छोटा है और आय का कोई साधन नहीं है। इनकी आर्थिक स्थिति निराशाजनक है। एक पुत्री का विवाह इनके काका ने करवा दिया। अब छोटे पुत्र और मानसिक विकलांग पुत्री तथा स्वयं के भरण–पोषण की जिम्मेदारी निभाने में बहुत कष्ट हो रहा है। तृप्ति योजना की सहायता सामग्री से इन्हें कुछ राहत मिली है।

हरू बाई की आयु – 78 वर्ष है। ये गाँव जवारड़ा, तहसील – सलुम्बर की रहने वाली हैं। ये पोलियोग्रस्त होकर विकलांग है। इन्हें वृद्धावस्था पेंशन भी नहीं मिल रही है। परिवार में तीन पुत्र हैं, तीनों की ही आर्थिक स्थिति ठीक नहीं। जैसे–तैसे मेहनत मजदूरी करके अपना पेट पाल रहे है। वे हरू बाई की कोई मदद नहीं करते। एक पुत्र जब–तब कुछ मदद कर देता है, बहुत ही परेशान हालत में है। तारा की तृप्ति योजना में सहायता मिलने से इन्हें पेट भर खाना मिलने की सुविधा हो गई है।

मदन सिंह चुण्डावत, आयु – 50 वर्ष है, ये सलुम्बर तहसील में धुला जी का गुड़ा गाँव के रहने वाले हैं। इनके तीन पुत्र और 2 पुत्रियाँ हैं। ये विगत 3–4 वर्ष से क्षय–रोग से ग्रस्त हैं। इस कारण कोई मेहनत मजदूरी नहीं कर पाते। इनके आय का कोई साधन नहीं है। परिवार चलाना बहुत मुश्किल हो रहा है। इनकी बहन यदा–कदा इनकी कुछ सहायता कर देती है। तारा संस्थान ने इन्हें तृप्ति योजना में सम्मिलित करके इन्हें खाद्य सामग्री सहायता देना प्रारंभ किया है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि

रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में बुजुर्ग महिला–पुरुष आश्रय पा रहे हैं। यह आनन्द वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्गों के लिए है, जिनकी देखभाल करने वाला अपना कोई नहीं, या किन्ही कारणों से परिजन इनकी देखभाल नहीं कर रहे, अथवा परिवार द्वारा तिरस्कृत, परित्यक्त होकर ये बेसहारा और विवश हो गए। आनन्द वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्गों के लिए सही अर्थों में आनन्द दायक स्थान बना है, जहाँ ये बुजुर्ग बन्धु भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि सभी आवश्यक सुविधाएँ सर्वथा निःशुल्क प्राप्त कर रहे हैं। इस बार हम आपको उन्हीं के अनुभवों से परिचित करवा रहे हैं –

राजकुमारी जी जैन का जन्मदिन मनाते हुए

राजकुमारी जैन – 80 वर्ष, मुम्बई
एक पुत्र है, जिसका विदेश में व्यवसाय है। एक पुत्री थी, जिसकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। अब परिवार में कोई नहीं, जो देखभाल कर सके। अस्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के कारण बिना सहायक के जीवन कष्टमय हो गया था। यहाँ की जानकारी मिलने पर यहाँ आ गईं। अकेलेपन का अहसास परेशान करता था, पर धीरे–धीरे सब ठीक हो रहा है। खाने में व्यक्तिगत रुचि के अनुसार परिवर्तन हो सके, तो अधिक अच्छा रहेगा। यहाँ किसी तरह की कोई तकलीफ नहीं है। स्वस्थ हो जाऊँ, तो ऑफिस में कुछ सेवा कार्य करना चाहूँगी।

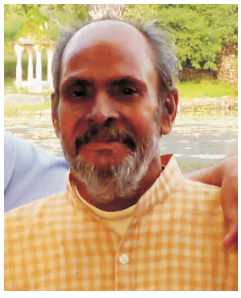

राजेन्द्र प्रसाद सोनी – 66 वर्ष, नदबई, भरतपुर
2 पुत्र, 2 पुत्रियाँ हैं, पत्नी का निधन 18–19 वर्ष पूर्व हो गया। परिवार में एक सदस्य के दुर्व्यवहार से परेशान होकर यहाँ आया हूँ। टी.वी. चैनल से यहाँ की जानकारी मिली। घर की तुलना में यहाँ सभी सुविधाएँ बहुत अच्छी हैं। सभी का व्यवहार भी आत्मीयता से भरा हुआ है। असहाय बुजुर्गों के लिए यह सचमुच आनन्द का स्थान है।

विवेकानन्द खरे – 58 वर्ष, मुम्बई
मैकेनिकल इंजीनियर रहा हूँ। 10–12 वर्ष काम किया, पर एक एक्सीडेंट में अक्षम हो गया, चलना–फिरना भी असम्भव हो गया। एक भाई है, जिसने सारी प्रोपर्टी ले ली और घर से निकाल दिया। गुजर–बसर का कोई साधन नहीं रहा। एक परिचित सज्जन ने यहाँ का पता बताया और में यहाँ आ गया। यहाँ संस्थान ने चिकित्सा करवाई, चलने–फिरने में सुविधा हो गई। यहाँ की सभी व्यवस्था बहुत अच्छी है। बीते समय की पीड़ाएँ भूलना चाहता हूँ।

प्रदीप – 55 वर्ष, मुम्बई
अकेला हूँ, शादी नहीं हुई। बीमारी और कमजोरी के कारण चलने में असुविधा है। यहाँ आने से पहले बहुत परेशान था। तारा संस्थान ने मुझे सम्भाल लिया। इलाज भी करवाया और सभी आवश्यक सुविधाएँ भी मिलीं। अब यह जीवन अच्छा चल रहा है, केवल चलने–फिरने में असुविधा हो रही है।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा निःशुल्क हैं।

मोतियाबिन्द जाँच –ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर व दिल्ली स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह अक्टूबर – नवम्बर, 2013 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
26.10.2013	श्री तेजराज जी दात्यवडिया, बैंगलोर	84	06
07.11.2013	आदर्ष पेपर आर्ट, बैंगलोर	127	13
09.11.2013	श्री भूर सिंह जी (भावना ज्वेलर्स), बैंगलोर	110	20
11.11.2013	श्री प्रकाष जी – श्रीमती संतोष बाई कोठारी, बैंगलोर	110	12

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
13.11.2013	श्री कैलाष चन्द्र जी पुत्र श्री हजारी मल जी, बैंगलोर	87	06
16.11.2013	श्री मातादीन जी टीबड़ा, झुंझुंनू	90	18
18.11.2013	श्रीमती शीला देवी जी एवं समस्त गुप्ता परिवार, नासिक	103	10

तारा नेत्रालय, नवादा, दिल्ली में आयोजित शिविर

13.11.2013	श्री पी.के. माथुर, दिल्ली	90	05

अन्य स्थानों पर आयोजित शिविर

13.11.2013	भदवासी प्लास्टर संघ, नागौर	165	12
13.11.2013	श्रीमती मोहिनी प्रसाद जी पुत्र श्री सिद्धार्थ प्रसाद, नोएडा (यू.पी.)	185	09
17.11.2013	श्रीमती चेतना जी बत्रा, बैंगलोर	109	04

20.11.2013	श्रीमती मोहिनी प्रसाद जी पुत्र श्री सिद्धार्थ प्रसाद, नोएडा (यू.पी.)	110	12
26.11.2013	श्री नारायण लाल जी गांग (बाऊजी), बड़ी सादड़ी	471	105

उपर्युक्त शिविरों में चयनित रोगियों के तारा नेत्रालय, उदयपुर व दिल्ली में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए।

इमरता राम, भदवासी, नागौर (राज.)

पृथ्वीराज, उदयपुर (राज.)

जाफ़र, उदयपुर (राज.)

बुजुर्गों के लिए...

शिविर की झलकियाँ

भदवासी प्लास्टर संघ, नागौर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

श्रीमती मोहिनी प्रसाद, पुत्र श्री सिद्धार्थ प्रसाद के सौजन्य से आयोजित षिविर में नेत्र रोगियों का पंजीकरण

वह बेबस बूढ़ा

दो मित्र को फिल्में देखने का बहुत शौक था। एक सर्द शाम को दोनों ने फिल्म देखने का मन बनाया। दोनों तैयार होकर जैसे ही निकलने वाले थे, दरवाजे पर किसी ने दस्तक दिया। ''इस वक्त कौन हो सकता है?'' राजन ने संदेह व्यक्त किया। ''कोई भी हो चलो फिल्म का टाइम हो रहा है।'' कहते हुए शेखर ने दरवाजा खोला तो सामने एक अधनंगा, कमजोर भिखारी खड़ा था। दोनों को देखते ही बड़ी आशा के साथ उसने थरथराती आवाज में कहा – ''बेटा बहुत ठण्ड लग रही है, मुझ गरीब को कुछ कपड़े दे दो।''

''बाबा अभी नहीं, हम लोग जरूरी काम से बाहर जा रहे हैं। बाद में आना, हम कपड़े, खाना, सब कुछ दे देंगे'' शेखर ने कहा और बेपरवाह होते हुए आगे बढ़ गया। न चाहते हुए भी राजन को शेखर के साथ जाना पड़ा। फिल्म अच्छी थी। दोनों मित्र फिल्म देखकर घर लौट आये। शाम के वाक्यात को दोनों बिलकुल भूल चुके थे। मस्तिष्क पर फिल्म छायी हुई थी। दोनों खा–पीकर सपनों के राज्य में विचरण करने लगे।

सुबह लोगों के कोलाहल से शेखर की आँखें खुली। वह झट से उठा और खिड़की से बाहर झाँककर देखा। यह क्या? बाहर इतनी भीड़! क्या बात है? वह आशंकित हो उठा। वह सीधे बिस्तर के पास गया। उसका दोस्त राजन अब भी सो रहा था। उसने कहा ''राजन उठो। देखो बाहर क्यों भीड़ इकट्ठी हुई है।'' इतना कहकर वह राजन का इंतजार किये वगैर तेजी से बाहर निकल गया।

भीड़ को चीरते हुए वह आगे बढ़ने लगा। फिर अचानक वह ठिठक कर रुक गया। वहाँ एक लाश पड़ी थी। उसकी नजर लाश पर जाकर ठहर गई। अरे! यह तो वही भिखारी था। भीड़ से किसी की आवाज तीर की भाँति हृदय को भेद करती हुई उसके कानों से टकराई – ''बेचारा बदनसीब था, आखिर ठण्ड बर्दास्त नहीं कर पाया और चल बसा।''

सबकी जीत के बारे में सोचें

एक आदमी के मरने के बाद यमराज ने उससे पूछा कि तुम स्वर्ग में जाना चाहोगे, या नर्क में। उस आदमी ने पूछा कि फ़ैसला करने से पहले क्या मैं दोनों जगहें देख सकता हूँ। यमराज पहले उसे नर्क में ले गए, वहाँ उसने एक बहुत बड़ा हॉल देखा, जिसमें एक बड़ी मेज पर तरह–तरह की खाने की चीजें रखी थी। उसने पीले और उदास चेहरे वाले लोगों की कतारें भी देखीं। वे बहुत भूखे जान पड़ रहे थे, और वहाँ कोई हँसी–खुशी न थी। उसने एक और बात पर गौर किया कि उनके हाथों में चार फुट लंबे काँटे और छुरियाँ बँधी थी, जिनसे वे मेज़ के नीचे फर्श पर पड़े खाने को खाने की कोशिश कर रहे थे। मगर वे खा नहीं पा रहे थे।

फिर वह आदमी स्वर्ग देखने गया। वहाँ भी एक बड़े हॉल में एक बड़ी मेज़ पर ढ़ेर सारा खाना लगा था। उसने मेज़ के दोनों तरफ लोगों की लंबी कतारें देखीं, जिनके हाथों में चार फुट लंबी छुरी और काँटे बँधे हुए थे, ये लोग खाना लेकर मेज़ की दूसरी तरफ से एक–दूसरे को खाना खिला रहे थे, जिसका नतीजा था – खुशहाली, समृद्धि, आनन्द और संतुष्टि। वे लोग सिर्फ अपने बारे में ही नहीं सोच रहे थे, बल्कि सबकी जीत के बारे में सोच रहे थे। यही बात हमारे जीवन पर भी लागू होती है। जब हम अपने परिवार, अपने मालिक, अपने कर्मचारियों की सेवा करते हैं, तो हमें जीत खुद–ब–खुद मिल जाती है।

''अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं या आप यह सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते, तो आप दोनों की तरह ठीक हैं।''

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों में दान-सहयोग-सौजन्यकर्त्ताओं का उनके आवास पर 'तारा' प्रतिनिधि द्वारा अभिनन्दन-सम्मान

श्री एवं श्रीमती विनोद शंकर गुप्ता (नागपुर)

श्री दषरथ भाई (अहमदाबाद)

श्री बाबूलाल आलमाल (अहमदाबाद)

श्री प्रवीण जी, दिल्ली

श्रीमती बृजरानी पति श्री कैलाष चन्द्र जी, दिल्ली

डॉ. विजय बाला मनचंदा, गाजियाबाद

श्री एन.सी. सरकार, भोपाल

श्री रमेष एवं श्रीमती ममता माहेष्वरी, भोपाल

श्री बी.जी. देषमुख, भोपाल

''तारा नेत्रालय'' उदयपुर में पधारे अतिथि

श्री जी.डी. शाह (कोलकाता) वृद्धाश्रम आवासी बुजुर्ग से बात करते हुए

श्री सुरेष खण्डेलवाल (कनाडा) ने संस्थान का अवलोकन किया और सेवाकार्यों की जानकारी ली

शिविर

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2013
स्थान : तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 06,
हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)

पावन स्मृति : श्री संजय जी चावला
सौजन्यकर्त्ता : श्री निरंजन दास जी चावला, चण्डीगढ़

कुल ओ.पी.डी. – 80, ऑपरेषन के लिए चयनित – 12,
चष्मे – 19, दवाई – 60

नेत्र जाँच हेतु प्रतीक्षा करते रोगी बन्धु

'तारा' संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन द्वारा चश्मा वितरण

दिनांक : 08 नवम्बर, 2013
स्थान : आर्मी मेडिकल एवं जनरल स्टोर, 1/234,
सदर बाजार, दिल्ली केन्ट–110010

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन,
माताश्री – श्री पीयुष जैन, श्री पंकज जैन
(राम नारायण कृष्ण देवी जैन फाउण्डेषन – रजि.)

कुल ओ.पी.डी. – 540, ऑपरेषन के लिए चयनित – 22,
चष्मे – 260, दवाई – 418

दिनांक : 17 नवम्बर, 2013
स्थान : प्राचीन हनुमान मंदिर, शंकर विहार, पीएसके के पास,
विका मार्ग, दिल्ली – 110092

सौजन्यकर्त्ता : श्री प्रमोद रस्तोगी एवं संजय रस्तोगी,
ई–153, प्रीत विहार, दिल्ली – 110092

कुल ओ.पी.डी. – 512, ऑपरेषन के लिए चयनित – 06,
चष्मे – 130, दवाई – 504

श्री प्रमोद रस्तोगी रोगी को चश्मा देते हुए

वैशाली (गाजियाबाद) शिविर के शुभारंभ पर अतिथि बन्धु

दिनांक : 24 नवम्बर, 2013
स्थान : दिगम्बर जैन मंदिर, अतिषय महावीर वाटिका, 3–एफ,
(नियर वाटर टैंक), वैषाली, गाजियाबाद (यू.पी.) 201010

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती मनोरमा जी धवल,
निवासी – बसन्त विहार, दिल्ली

कुल ओ.पी.डी. – 468, ऑपरेषन के लिए चयनित – 07,
चष्मे – 196, दवाई – 408

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से शिविर आयोजित

ए.बी. शूगर्स लिमिटेड, दसुआ, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवं वेव इन्फ्राटेक दिल्ली, के सौजन्य से माह नवम्बर, 2013 में 3 मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेषन हेतु चयन षिविरों का आयोजन किया गया। षिविरों का विवरण निम्नानुसार है –

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
11 नवम्बर, 2013	413, गली नं. 08, वेस्ट कांति नगर, दिल्ली – 51	830	12	365	611
17 नवम्बर, 2013	पूर्वी दिल्ली निगम प्रतिभा सह शिक्षा विद्यालय, अजीत नगर, दिल्ली	690	05	230	558
22 नवम्बर, 2013	हनुमान मंदिर धर्मषाला, गली नं. 2, कैलाष नगर, दिल्ली – 31	917	40	378	837

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय दिल्ली में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

'बड़ौदा शक्ति' के प्रति आभार

बाएँ से – श्री एस.एस. मून्दड़ा, अध्यक्ष 'बैंक ऑफ बड़ौदा' तथा श्रीमती गीता मून्दड़ा, अध्यक्षा 'बड़ौदा शक्ति' तारा संस्थान के प्रतिनिधि श्री मधुसूदन शर्मा को सहयोग राशि का चैक प्रदान करते हुए।

बैंक ऑफ बड़ौदा के 106 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बड़ौदा शक्ति की सदस्याओं ने मानवीय सेवा कार्यों में संलग्न स्वयंसेवी संस्थाओं को सतत सहयोग करने एवम् सेवाकार्यों में सहभागिता करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ौदा शक्ति की अध्यक्षा श्रीमती गीता मून्दड़ा ने कहा कि बड़ौदा शक्ति समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की सहायता में सदैव संलग्न रहा है। आप एवं आपके संगठन की सदस्याएँ तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों से जुड़ी हुई हैं।

मुख्य संरक्षक का सामूहिक विवाह में आशीर्वाद

तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री नगेन्द्र प्रसाद भार्गव एवम् श्रीमती पुष्पा भार्गव ने गील्ड फॉर सर्विस द्वारा 16 नवम्बर, 2013 को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 15 नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। डॉ. वी. मोहिनी गिरी एवम् न्यासियों के आमन्त्रण पर गील्ड फॉर सर्विस द्वारा वृन्दावन में आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री भार्गव दम्पत्ति ने नवविवाहितों को प्रेशर–कुकर एवं मोबाइल फोन उपहार स्वरूप प्रदान किए। यह स्मर्णीय है कि गील्ड फॉर सर्विस विगत 40 वर्षों से आर्थिक रूप से विपन्न बन्धुओं के लिए सामाजिक उत्थान हेतु सेवा कार्य कर रही है।

शिविर सौजन्य

'तारा' संरक्षक श्री रमेष सचदेवा – श्रीमती शमा सचदेवा के सौजन्य से 28 नवम्बर, 2013 को 'तारा नेत्रालय', उदयपुर में 'मोतियाबिन्द जाँच–ऑपरेषन हेतु चयन' षिविर का आयोजन किया गया। षिविर में 100 नेत्र रोगियों की जाँच की गई, जिनमें से 16 रोगियों का ऑपरेषन के लिए चयन हुआ। चयनित सभी रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेषन करवाए गए।

अभिनन्दन

तारा संस्थान के संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन (दिल्ली) ने तारा संस्थान के मानवीय सेवा कार्यों का परिचय देते हुए श्रीमती शीला दीक्षित, मुख्यमंत्री, दिल्ली प्रदेश, डॉ. जमाल ए. खान, कैंसर विशेषज्ञ, दिल्ली व डॉ. शरमीन यकीन, दिल्ली का अभिनन्दन किया।

आसान रास्ता काफ़ी मुश्किल रास्ता साबित हो सकता है

एक बार एक लार्क चिड़िया जंगल में गाना गा रही थी। तभी, एक किसान उसके पास से कीड़ों से भरा एक संदूक लेकर गुज़रा। लार्क चिड़िया ने उसे रोक कर पूछा ''तुम्हारे संदूक में क्या है, और तुम कहाँ जा रहे हो?'' किसान ने जवाब दिया कि उस संदूक में कीड़े हैं, वह बाजार से उन कीड़ों के बदले पंख खरीदने जा रहा है। लार्क ने कहा, ''पंख तो मेरे पास भी है। मैं अपना एक पंख तोड़ कर तुम्हें दे दूँगी, इससे मुझे कीड़े नहीं तलाशने पड़ेंगे।'' किसान ने लार्क को कीड़े दे दिए, और लार्क ने बदले में उसे अपना एक पंख तोड़ कर दे दिया। उसके बाद रोज़ यही सिलसिला चलता रहा, और एक ऐसा दिन भी आया, जब लार्क के पास देने के लिए कोई पंख ही नहीं बचा था। वह उड़ कर कीड़े तलाशने लायक नहीं रह गई। वह भद्दी दिखने लगी, और उसने गाना छोड़ दिया। जल्दी ही वह मर गई।

यही बात हमारी जिन्दगी के लिए भी सच है। कई बार हमें जो रास्ता आसान लगता है, वही बाद में मुश्किल साबित होता है।

स्मृति शेष

श्री पृथ्वीराज शर्मा श्रीमती प्रकाशवती शर्मा

श्रीमती प्रकाशवती शर्मा का जन्म 1935 में रावलपिण्डी (अब पाकिस्तान) में हुआ। विभाजन के बाद वे गाजियाबाद में आ गई। 1952 में आप का विवाह श्री पृथ्वीराज शर्मा से हुआ। कठिन परिश्रम, ईमानदारी व जन–कल्याण भावनाओं से ओत–प्रोत श्री शर्मा दम्पत्ती ने कई उद्योग प्रारम्भ किए, जो अब उनके चार–पुत्रों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। श्रीमती प्रकाशवती शर्मा तारा संस्थान के सेवा कार्यों से जुड़ी रहीं। 24 दिसम्बर, 2012 को आप का निधन हो गया। आपके पुत्र श्री राकेश शर्मा ने अपनी स्वर्गीया माताजी श्रीमती प्रकाशवती शर्मा के लोक कल्याणकारी सेवा कार्यों को सहयोग सौजन्य से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया है। तारा संस्थान परिवार स्व. श्रीमती प्रकाशवती शर्मा – स्व. श्री पृथ्वीराज शर्मा के प्रति स्मरणांजलि व्यक्त करता है एवम् उनके यशस्वी पुत्र श्री राकेश शर्मा के सेवा संकल्प का अभिनन्दन करता है।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR), 09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806, 09649999540

Shri Sanjay Chaubisa
Area Delhi
Cell : 09602506303

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Suresh & Mrs. Sheela Jindal
Delhi

Mr. Pop & Mrs. Kanchan Bai Pop Phuffgarrh
Nasik

Mr. Raghubir Singh Sondal & Mrs. Prem Lata
Hoshiaupur (PB)

Mr. Rai Jeevan Bohra & Lt. Mrs. Sodara Devi
Bikaner (Raj.)

Mr. Baldev Raj & Mrs. Suresh Khanna

Mr. Jagdish & Mrs. Vimla Devi Singhal
Surat (Guj.)

Mr. Jatashankar Puranchand & Mrs. Sheela Gupta
Nasik

Lt. Mr. Narayan Ji & Lt. Mrs. Kamala Bai
Bhopal

Mr. Rajiv & Mrs. Archana Saxena
Ambala

Mr. Jagannath Pandurangji Mundada &
Mrs. Sarajubai Jagannath Mundada,

Mr. Rajendra Prasad & Mrs. Sushila Joshi,
Dehradun, UK

Mr. Vijay Veer Singh & Mrs. Suman Singh,
Jaipur (Raj.)

Mrs. Sudha Jain
Delhi

Mrs. Padma Mehta
Ajmer (Raj.)

Mr. Yuddhveer Singh
Hissar

Mr. Umesh Chand Gupta
Khijarabad (HR)

Mr. Sudeep Kumar Singh
Hissar

Mr. Rameshwar Maroo
Bikaner (Raj.)

Mr. Ramapati Thapalial
Garhwal (UK)

Mr. R.K. Bhatti
Chandigarh

Lt. Shri Heera Bhai
Navasari (Gujarat)

Mr. Bipin Bhai Patel
Navasari (Gujrat)

Dr. Atul Jaimiti
Sonipat (HR)

Lt. Mr. Duley Singh

Mr. Suman Lal Seth
Mumbai

Mrs. Jayaben S. Seth
Mumbai

Mrs. Poonam Shriram Thakur
Nasik

Mr. Tejas Bhai Seth
Mumbai

Mr. Mahesh Bhai Seth
Mumbai

Mrs. Asha Dube
Chandigarh

Mr. Krishn Kumar Garg
Karol Bagh, Delhi

OUR LIFE - MEMBERS

Kindly donate a sum of Rs. 11,000/- to associate yourself as a Life Member of Tara Sansthan and oblize a poor person by facilitating one Cataract surgery every year on a date of your choice

Aditya Tiwari, Sihore
Akash Jain, Udaipur
Anand Nandi Ram Prithiani, Thane
Anita Dubey W/O Mr. Shekhar Dubey, Kannauj
Anuradha S. Rao, Pune
Aparna Takalkar, Delhi
B.G. Deshmukh, Bhopal
Babu Prasad Balu Ram Shah, Ahemdabad
Baldev Raj Khanna, Faridabad
Bhagwan Singh Gehlot, Jodhpur
Bhalchandra Moreshwar Khole, Mumbai
Bhiv Raj Murlidhar Bajaj, Nagaur
Birgi Chand Sharma, Kota
Brij Mohan Sharma, Kota
Bru Mohan Lal Brij Gopal, Firozabad
C.S. Saxena, Bhopal
Captain Rajeev Kumar Singh, Navi Mumbai
Chajju Ram Ji Bijarnia, Jhunjhunu
Champa Lal S/o Late. Shri Gopu Ram, Pali
Chandra Kumar Kochar, Bikaner
Darshana Devi Gupta, Delhi
Deep Chand Jain, Kota
Devi Prasad Sharma, Howrah
Devi Singh Bhardwaj & Smt. Saraswati Ji, Raipur
Durga Ram Jai Ram S/O Shri Gokal Ram, Pali
Gaurangbhai R. Vasani, Bhavnagar
Golcha Electricals, Pathankot
Gopal Multani, Mumbai
Ishwar Das Kodumal Baswani, Ujjain
Jag Roshan Prasad, Barelly
Jaya Sharma, New Delhi
Jayant S/O Shri Raju Vaswani, Ujjain
K.V. Gandhi, Jamnagar
Kailash Kumawat, Baran
Kashi Prasad Saraf, Patna
Kastur Chandra Gupta, Kota (Raj.)
Kirti Sharma, Bhopal
Krishan Gupta, Panipat
Krishna Gopal Malhotra, Panchkula
Lalta H. Chandiramani, Pune
Laxmi B Maa Shweta, Kolkata
M. Nagendra Gowd, Anantapur
Mafat Lal Ratan Chand Doshi, Pune
Mahila Kirtan Mandal, New Delhi
Mahima Jain W/o Late. Shri Jagdish Lal, Agra
Malti Jain, Delhi
Mamta Jain, Delhi
Mangi Lal Bihani, West Bengal
Meena Raizada, Delhi
Mr. Hari Prakash Ankit Jain, Durg
Mradul & Mohit Singhal, New Delhi
N.S. Kanchan, Lucknow
Nand Lal B. Bafna, Mumbai
Naresh Murti, Patna
Navratan, Ajay, Paras Kochar, Kolkata
Padma Mehta, Ajmer
Poonam Chand Maheshwari, Bihar
Pradep Shriniwas Somani, Aurangabad
Purshottam Poddar, Surat
Pushpalata Jamini, Sonipat
R.K. Bhati, Chandigarh
Rajendra Kumar Jain, Udaipur
Rajendra Prasad Joshi, Dehradun
Rajesh Sharma, Bhopal
Rajni Grover, Pune
Rajni Johri, Allahabad
Ram Chandra Khanna, Delhi
Rama Bedwal, Jhunjhunu
Ramjeevan Bohra, Jodhpur
Reeta Johri, Allahabad
Roop Narayan Gupta, Jaipur
S.D. Mishra W/o Shri R.R. Mishra, Barelly
S.K. Gupta, Delhi
Sandeep Kumar Mittal , New Delhi
Sanjay Kumar Singhal, Muradabad
Sarojani Gupta, Delhi
Shipra Dubey, Kannauj
Shiva Dubey, Kannauj
Shri Ashok Ji, Nagpur
Shyam Sundar Modi, Mumbai
Sitaram Taparia, West Bengal
Subhash Chander Nangia, New Delhi
Sudha Jain, Delhi
Sushil Kumar Jain, Hisar
Usha Goyal, Jaipur
Veena Bansal, Greater Noida
Vijay Kumar Jain, Guwahati
Vijay Seeta Ram Agarwal, Ahemdabad
Vinay Kumar Choudhary, Bhuvneshwar
Vinod Sharma, Jhunjhunu
Vivek Saxena, Raipur
Yogesh Kumar Singhal, Delhi
Yogi Yadav, Aurangabad
Yudhister Singh, Bikaner

तारा संस्थान के संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन ने अक्षरधाम, दिल्ली के प्रमुख साधु आत्म स्वरूप जी का अभिनन्दन किया।

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426	**IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462	**IFS Code : cnrb0000169**

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
Mukesh Menaria +91 9560626661

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042

We are thankful to the Management of Indian Oil Delhi, for their generous cooperation in making "Donation-Gift" of a PHECO machine to TARA NETRALAYA, Delhi for facilitating Free Cataract Surgery. Always grateful - Tara Sansthan, Udaipur

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस	आस्था भजन	MA T.V. (UK)
'पारस' चैनल पर प्रसारण रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

रास्ता बनाने वाला

एक बुजुर्ग, जो एक सुनसान सड़क पर जा रहा था,
शाम होते-होते ठंडा और ठिठुरता पहुँचा,
एक लंबे, गहरे और चौड़े दर्रे के करीब,
जिसके अंदर तेज़ पानी बह रहा था।
बुजुर्ग ने शाम के धुँधलके में उसे पार किया,
पानी की धारा से उसे कोई डर नहीं लगा,
मगर वह पीछे मुड़ा, सुरक्षित पार कर जाने के बाद,
और उन लहरों के आर-पार एक पुल बनाया,
''ओ बुजुर्ग'' एक साथी यात्री ने उसे पुकारा,
''तुम इसे बनाने में बेकार मेहनत कर रहे हो,
तुम्हारी यात्रा दिन के ढलते ही खत्म हो जाएगी,
और फिर तुम कभी इस रास्ते से नहीं गुजरोगे,
तुमने इस चौड़े और गहरे दर्रे को पार कर लिया है -
तुम इस धारा पर पुल क्यों बना रहे हो?''
उस बुजुर्ग ने अपने सिर को उठाकर कहा,
''प्यारे दोस्त, जिस रास्ते से मैं आया हूँ,
उस राह में मेरे पीछे आ रहा है
एक नौजवान, जिसे यहीं से गुज़रना है।
यह दर्रा जो मेरे लिए मुश्किल रहा है,
उस सजीले नौजवान के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है।
उसे भी शाम के धुँधलके में पार करना पड़ेगा,
मेरे दोस्त, मैं यह पुल उस नौजवान के लिए बना रहा हूँ।''

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, दिसम्बर, 2013

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	MA T.V. (UK) 'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org